

विज्ञप्ति

संख्या ६/१४६) दोन्हा/क/१८

दिनांक ६ - १ -

सन् १९५४

बुधी के समय संबन्ध मनुष्यों में समाविष्ट वन भूमि तथा बंजर, झुवि में वनवाड़ उड़ बदलार के द्वारा
प्राइवेट अधिकारों के प्रकार तथा सीमा की ओर और उनका अधिकार राजस्वाल वन अधिनियम (1953
११ राजस्वाल अधिनियम संख्या १३) की घारा (२९) की उपचारा (३) के प्रधान आदि द्वारा दिए गये विवरण
दिनांक के मनुष्यों में किया जा चुका है।

अतः यह उपनुस्खा अधिनियम की घारा (२९) की उपचारा (१) के द्वारा बदल अधिकारों के द्वारा द्वारा
बदलार एतद्वारा घोषित करती है कि कथित अधिनियम के अध्याय ४ के मनुष्यों मूरोंन्त वन भूमि और बंजर भूमि पर
बास होये जो कि एवत्पश्चात् रक्षित वन कहलाया जावेत।

राज्यपाल की आग्रह से

sd.

राजस्व सम्पादन सचिव

राजस्वाल सम्पादन

उपायपाल

विला	वहसाल	पट्टी या वनस्पति	भोज	प्रौद्योगिक वनवाड़ या भोज एवं झुवि संघर्ष	विवरण विवरण
समाई माध्योपुर	सपोत्रा	चिर भिल झेल कम्पेन	झेल भिल झेल कम्पेन	३६३२,६७	३६३२,६७
"	"	"	भिल को झुवि	१२६५,३६	१२६५,३६
"	"	"	चन्देली	३६२,५४	३६२,५४
"	"	"	चिरभिल	३०३८,०४	३०३८,०४
"	"	"	अरोरा	२६०६,५१	२६०६,५१
"	"	"	कम्पेन	५४८८,२८	५४८८,२८
"	"	"	टोहा	३२६०,२७	३२६०,२७
"	"	"	भिलभारा	१४३६,१४	१४३६,१४
"	"	"	झरई	३३२६,६८	३३२६,६८
"	"	"	भोजी झारी	७५००,९६	७५००,९६
"	"	"	राहंद	४५८२,८६	४५८२,८६
"	"	"	आंवन्डी	१०८५,३४	१०८५,३४
"	"	"	भानपुर	२१८८,६२	२१८८,६२
"	"	"	झाल झरा	१४२४,८८	१४२४,८८
			भोज	३५४८,८८	३५४८,८८

पा. नु. २०४६-४-७५-२००० को सं

TR १८८८ का लिखा गया है।

राजस्वाल सम्पादन वनवाड़ उड़ बदलार
(विला) दोन्हा (राजस्वाल)

नाम संगत
२४/११/५५ अधिकारी
संगत वनवाड़ उड़ बदलार

राजस्वाल सम्पादन
वनवाड़ उड़ बदलार
नाम संगत
२४/११/५५ अधिकारी

एवं यहाँ परामर्शन करायी

विज्ञान

संख्या २४४६ (१९४०) दोहरा ५८

दिनांक २६.१.८५ अ. ८५

दिनांक २६ + ८, वर्ष ५, १९४८
 पुकि इनके साथ संबंध अमृती व सपालियत का पूर्ण तथा दंडर गुरि में वरसा जल पर उत्तरार्द हो गई।
 माइट्रोफिल्डों के विविकारों के बाकार तथा शीता की जांच थी और उनका विभिन्न रासायनिक वर्गीकरण (1933)
 । एवं इनमें अविनियम संख्या 13) की वारा (29) की उपवारा (3) के घोषण वारे को वही विभिन्न संस्करण
 दिया।
 के अमृतरथ में दिया जा चुका है।

प्रति अब उपर्युक्त प्रधिनियम की पारा (29) को उपाय (1) के द्वारा प्रदत्त एविएटो के द्वयेष इन एक एकट्टारा भीषित करती है कि बहित प्रधिनियम के अध्याय 4 के मनुसंवय यूरोप वन यूनि और दंड विधि शाय हीये कि एकलसंवाद रूपित वन कहावा दावेव।

राज्यपाल की आगा से

शासन संक्षिप्त

ବାଜିଲୋହ ରମଳାଦ
ପାତ୍ର

क्रमांक	उद्धीकरण	पहिया वनस्पति	पोता	वैश्वक वनस्पति पा. पीवा एकड़ों में	विक्रेता विवरण
1	उद्धीकरण	लीरगल्लीयुजा	लोहरा	2134,29	
2	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	2422,36	
3	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	3224,09	
4	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	28,24	
5	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	232,29	
6	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	38,62	
7	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	1326,50	
8	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	12406,51	
9	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	92616,24	
10	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	7221,62	
11	"	गोलीबांडा	गोलीबांडा	15600,69	

Feb 11/972, 12 aft 9105

अम द्वन चरणक एव अप सैव निदेशक (द्वितीय)

राजस्व विभाग

विज्ञप्ति

संख्या (२५८)६०/३१-१२/६६

दिनांक २२-८-६६ सन्

चूंकि इन्हे साथ संसम्बन्ध पत्रसूची में समाविष्ट बन भूमि तथा बंजर भूमि में उपचार उन पर सरकार के द्वारा प्राइवेट अधिकारों के प्रकार तथा सीमा की जांच और उसका प्रभिलेखन राजस्वान बन अधिनियम (१९५३) द्वारा अधिनियम संख्या १३) की घारा (२९) की उपचारा (१) के समीन जारी कोई विज्ञप्ति संख्या दिनांक के उन्नुसरण में किया जा चुका है।

प्रतः उन्हें उपचार अधिनियम की घारा (२९) की उपचारा (१) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग में उच्च सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि कवित अधिनियम के अध्याय ४ के उन्नुचन्ध पुरोक्त बन भूमि द्वारा बंजर भूमि पर आगू होंगे जो कि एतत्पश्चात् रक्षित बन कहसाया जावेगा।

राज्यपाल की आशा से

इन राज्यपाल

आसन विभाग

अनुसूची

आनंदिति अधिकार साहित्य राज्यपाल
दिनांक २२-८-६६

बिना	दस्तील	पट्टी या बनकाड़	मोजा	क्षेत्रफल बनकाड़ या मोजा एकड़ों में	विशेष विवरण
प्रवार्तन भाष्यकार	स्टेटर	नं०२४८	२५ बहुपुरा कुरिण झुंगरी ठाई वृष्ट केगोरेकी	६२५.६४ ३४.६२ १६.०८. ३.०५.	
			माझ	६८०.५२ १.०८ वर्षीय नील ३.६४ वर्षीय नील	
T.C.			२१ दृष्टिकोण वा १. दृष्टिकोण अवतरण (२१ दृष्टिकोण)	१८१.८४	

बन सरकारी अधिकार (द्वितीय)
८६-४-७३-२०८० फार्म
उण्ठम्हार बाघ परियाजना कराला

GOVT

कलानीति
२१/११/१९६६
२१/११/६६

माझ दृष्टिकोण
अवतरण नील

विज्ञप्ति

संख्या ६५०. ८ (१२४) राज. क. ८२

दिनांक ११-६- सन् १९८२

दूर्विकि इसने साथ संबंध प्रतिसूची में समाविष्ट वन मूलि तथा बंजर मूलि में प्रयोग उपर पर सरकार के द्वारा
माइवेट व्यक्तियों के प्रधिकारों के प्रकार तथा सीमा की ओर सौर उपका प्रभिलेखन राजस्थान वन प्रविनियम (1953)
वा राजस्थान प्रविनियम संख्या (3) की धारा (29) की उपधारा (3) के मध्येन जारी की गई विज्ञप्ति संस्पा
दिनांक के मन्त्र ग में लिया जा चुका है ।

परः उपर्युक्त प्रविनियम की धारा (29) की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों के प्रयोग में राज्य
सरकार एतद्वारा घोषित होती है कि कियत प्रविनियम के अध्याय 4 के प्रत्येक पूर्वोत्तर वन मूलि और बंजर मूलि पर
घास होंगे जो कि एकत्रित रूप से वन कहलाया जावेगा ।

राज्यपाल की अधीन से

शासन सचिव

अनुसूची

वर्ष	वहसीन	पट्टी या वन्दण	जोड़ा	वनकल वत्तकड़ा या मोरा उत्तरायन	विशेष विवरण
१९८१-८२	पेटरा	किलोउडगिरिजेरी डिस्ट्रिक्ट		१२६,३१	
				११८,८२	
				१११२,८२	
				१०३६,८२	
				३८८,२२	
				१०८३,५०	
				५०३,०३	
				८२२,८८	
				१८०,३१	
				८६८,५३	
				१६३,९२	
				८०३,८८	
				४५०,८८	
				१२५४,८८	
				१२२४,८८	

चा० मु० च० 86-4-75-2000 फार्म०

True Copy

कृष्ण गुप्त
कृष्ण गुप्त
२३/१०१६१ पुलिम्पुरा
१०८/१०८

उपर्युक्त वन संरक्षण इव कानूनिक (द्वितीय)
रणनीति और बाध परियोजना करौली

कृष्ण

राजस्थ विभाग

विज्ञप्ति

संख्या ५८६-६ (१२४) वा.क.द.२

दिनांक ११-८- सन् १९८२

पूर्णि एवं पाथ राजन घटुर्यापी में रामानिधि यम गृहि तथा वंगर गृहि में प्रथमा उत्त पर सरकार के द्वारा दृष्टिवित्तयों के अधिकारों के प्रकार तथा सीमा की जांच और उसका अभिलेखन राजस्थान वन मणिनियम (1953) वा राजस्थान मणिनियम संख्या 13) की धारा (20) की उपधारा (3) के अधीन जारी को गई विभिन्न संख्या विभाग के घटुर्यारण में किया जा चुका है ।

प्रतः यद्य उपयुक्त प्रधिनियम की पारा (29) की उन्धारा (!) के द्वारा प्रदत्त शासितगों के ब्रह्मीग में राज्य प्रधार एवं राजारा धनाधित करती है कि प्रधित प्रधिनियम के सम्भाय 4 वें भाग्यरूप युतोंवत् वन यूधि शीर वंजर यूधि पर जातु होंगे जो कि एयत्प्रस्तात् रक्षित वन कहलाया दावेण।

राज्यपाल की आगा से

Schr.

राजस्थान संचिव

अनुसूची

रा० मु० उ० ४६-४-७५-२००० फार्म०

ग्रामीणक वर्तमानोत्तरा भारतीयता
नेतृत्वे

— ४ —

ମୁଦ୍ରା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ପାତ୍ର କିମ୍ବା ୨୧୬୩-
ପାତ୍ର କିମ୍ବା ୨୦୫୫

उप वन सरकार एवं ~~संघ~~ क्षेत्र निदेशक (द्वितीय
रुपध्यारा बाघ परियोजना करौली